

प्रेषक,

एन0एस0नपल च्याल,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवामें,

जिलाधिकारी,
हरिद्वार।

राजस्व विभाग

देहरादून: दिनांक: 13 मई, 2008

विषय:—मै0 जे0बी0 रेमेडीज प्रा0लि0 को फार्मास्यूटिकल औद्योगिक इकाई की स्थापना हेतु जनपद हरिद्वार की तहसील रुड़की के ग्राम कुरुड़ी में कुल 0.205 है0 भूमि कय करने की अनुमति दिये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या— 351/भूमि व्यवस्था— भू0क0 दिनांक 23 अगस्त, 2007 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय मै0 जे0बी0 रेमेडीज प्रा0लि0 को फार्मास्यूटिकल की स्थापना हेतु उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम, 1950) (अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2001) (संशोधन) अधिनियम, 2003 दिनांक 15-1-2004 की धारा-154(4)(3)(क)(V) के अन्तर्गत तहसील रुड़की के ग्राम कुरुड़ी के गाटा संख्या— 298म रकबा 0.205 है0 भूमि जिलाधिकारी द्वारा उक्त पत्र दिनांक 23 अगस्त, 2007 में प्रेषित किये गये खसरा नम्बर के अनुसार कय करने की अनुमति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के साथ प्रदान करते हैं:—

1— केता धारा-129-ख के अधीन विशेष श्रेणों का भूमिधर बना रहेगा और ऐसा भूमिधर भविष्य में केवल राज्य सरकार या जिले के कलेक्टर, जैसी भी स्थिति हो, की अनुमति से ही भूमि कय करने के लिये अर्ह होगा।

2— केता बैंक या वित्तीय संस्थाओं से ऋण प्राप्त करने के लिये अपनी भूमि बन्धक या दृष्टि बन्धित कर सकेगा तथा धारा-129 के अन्तर्गत भूमिधरी अधिकारों से प्राप्त होने वाले अन्य लाभों को भी ग्रहण कर सकेगा।

3— केता द्वारा कय की गई भूमि का उपयोग दो वर्ष की अवधि के अन्दर, जिसकी गणना भूमि के विक्रय विलेख के पंजीकरण की तिथि से की जायेगी अथवा उसके बाद ऐसी अवधि के अन्दर जिसको राज्य सरकार द्वारा ऐसे कारणों से जिन्हें लिखित रूप में अभिलिखित किया जायेगा, उसी प्रयोजन के लिये करेगा जिसके लिये अनुज्ञा प्रदान की गई है। यदि वह

.....(2)

ऐसा नहीं करता अथवा उस भूमि का उपयोग जिसके लिये उसे स्वीकृत किया गया था, उससे भिन्न किसी अन्य प्रयोजन हेतु करता है अथवा जिस प्रयोजनार्थ कय किया गया था उससे भिन्न प्रयोजन के लिये विक्रय, उपहार या अन्यथा भूमि का अन्तरण करता है तो ऐसा अन्तरण उक्त अधिनियम के प्रयोजन हेतु शून्य हो जायेगा और धारा-167 के परिणाम लागू होंगे।

4- जिस भूमि का संक्रमण प्रस्तावित है उसके भूस्वामी अनुसूचित जनजाति के न हों और अनुसूचित जाति के भूमिधर होने की स्थिति में भूमि कय से पूर्व सम्बन्धित जिलाधिकारी से नियमानुसार अनुमति प्राप्त की जायेगी।

5- जिस भूमि का संक्रमण प्रस्तावित है उसके भूस्वामी असंक्रमणीय अधिकार वाले भूमिधर न हों।

6- यह स्वीकृति 180 दिनों के लिये वैध होगी एवं भूमि का कब्जा प्राप्त होने के 180 दिन के भीतर योजना का निर्माण कार्य प्रारम्भ करना होगा।

7- प्रश्नगत उद्योग की स्थापना के सम्बन्ध में स्पॉट जोनिंग क्षेत्र के लिये निश्चित सिद्धान्त/ नीतियों का पूर्णतः पालन किया जायेगा।

8- प्रस्तावित कय की जाने वाली भूमि का भू-उपयोग नियमानुसार औद्योगिक में परिवर्तित कराकर प्रचलित नियमों/मानकों एवं उपलब्धियों के अन्तर्गत नियमानुसार भवन निर्माण का प्लान सक्षम अधिकारी से स्वीकृत कराने के पश्चात ही निर्माण कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।

9- प्रस्तावित उद्योग का निर्माण कार्य राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (सीडा) के अन्तर्गत GIDCR - 2005 में उल्लिखित शर्तों के अधीन होगा।

10- प्रस्तावित उद्योग में 70 प्रतिशत रोजगार प्रदेश के स्थायी निवासियों को उपलब्ध कराया जायेगा।

11- प्रस्तावित इकाई द्वारा कय की जाने वाली भूमि का उपयोग मात्र " फार्मास्युटिकल फार्म्युलेशन" की स्थापना हेतु ही किया जायेगा। इकाई को स्वयं के संसाधनों से अवस्थापना सुविधाओं का विकास कराना होगा।

12- इकाई में पूंजी निवेश से पूर्व पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियन्त्रण हेतु उत्तराखण्ड प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड, ड्रग कण्ट्रोलर से ड्रग लाईसेंस तथा अग्निशमन विभाग से नियमानुसार स्वीकृति/ अनापत्ति प्रमाण पत्र लिया जाना अनिवार्य होगा।

- 13- प्रश्नगत उद्योग की स्थापना के सम्बन्ध में अनापत्ति मात्र भूमि कय व्यवस्था के संदर्भ में दी जा रही है। केन्द्रीय औद्योगिक पैकेज के अन्तर्गत देय सुविधाओं/छूट हेतु इकाई की अर्हता स्वतः निर्धारित नहीं करती है, जो इकाई की स्थापना के पश्चात आवेदन करने पर सुसंगत नियमों के अन्तर्गत नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- 15- किसी दशा में केताओं को प्रस्तावित भूमि के अतिरिक्त अन्य भूमि के उपयोग की अनुमति नहीं होगी एवं सार्वजनिक उपयोग की भूमि या अन्य भूमि पर कब्जा न हो इसके लिए भूमि कय के तत्काल बाद उसका सीमांकन कर लिया जाये।
- 16- भूमि का विक्रय अपरिहार्य परिस्थितियों के अतिरिक्त अनुमन्य नहीं होगा एवं ऐसी दशा में विक्रय किये जाने हेतु सकारण शासन का अनुमोदन प्राप्त करना होगा।
- 17- उपरोक्त के अतिरिक्त वांछित, विधिक व अन्य औपचारिकतायें /अनुज्ञायें/प्रमाण पत्र एवं अनापत्तियां इकाई स्थापना के पूर्व यथासमय प्राप्त कर ली जायेंगी।
- 18- उपरोक्त शर्तों/प्रतिबन्धों का उल्लंघन हो पर अथवा किसी अन्य कारणों से, जिसे शासन उचित समझता हो, प्रश्नगत स्वीकृति निरस्त कर दी जायेगी।
- कृपया तदनुसार आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

भवदीय,

(एन0एस0नपलच्याल)
प्रमुख सचिव।

संख्या एवं तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- मुख्य राजस्व आयुक्त, उत्तराखण्ड, देहरादून
- 2- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
- 3- सचिव, औद्योगिक विकास विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- सचिव, श्रम एवं रोजगार विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- सचिव, ऊर्जा विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- निदेशक, उद्योग, इन्ड्रिस्ट्रियल इस्टेट, पटवर्तनगर, देहरादून।
- 7- मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सीडा, 2-न्यूकैंट रोड, सिडकुल, देहरादून।
- 8- श्री राजीव कुमार गोयल, जे-151 मनोज विहार, इन्द्रापुरी गाजियाबाद।
- 9- निदेशक, एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड, सचिवालय।
- 10- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सन्तोष बड़ोनी)
अनुसचिव।